कांगो ने रोका पुर्तगाल को, रोनाल्डो निराश

डीआर कांगो ने पुर्तगाल को 1-1 से ड्रॉ पर रोका, इंग्लैंड ने क्रोएशिया को 4-2 से हराया

नई दिल्ली, 18 जून. फीफा विश्व कप 2026 में ग्रुप-के के मुकाबले में डीआर कांगो ने शानदार खेल दिखाते हुए प्रबल दावेदार पुर्तगाल को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। इस नतीजे को टूर्नामेंट के शुरुआती बड़े उलटफेरों में से एक माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो से सजी पुर्तगाल की टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही थी, लेकिन कांगो के अनुशासित खेल और मजबूत रक्षापंक्ति ने उसके मंसूबों पर पानी फेर दिया।

मैच की शुरुआत से ही पुर्तगाल ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार आक्रमण किए। टीम को इसका फायदा तब मिला जब जोआओ नेवेस ने शानदार हेडर के जरिए गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। नेतो के बेहतरीन क्रॉस पर नेवेस ने सटीक निशाना साधते हुए गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। हालांकि बढ़त मिलने के बाद भी पुर्तगाल अपनी पकड़ मजबूत नहीं कर सका। डीआर कांगो ने धैर्य बनाए रखा और पहले हाफ के इंजरी टाइम में इतिहास रच दिया। योन विसा ने हेडर के जरिए गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह डीआर कांगो का विश्व कप इतिहास का पहला गोल भी था, जिससे खिलाड़ियों और समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने जीत हासिल करने के लिए पूरा जोर लगाया।

रोनाल्डो, ब्रूनो फर्नांडीस और बर्नार्डो सिल्वा जैसे खिलाड़ियों ने कई अवसर बनाने की कोशिश की, लेकिन कांगो की रक्षापंक्ति दीवार बनकर खड़ी रही। रोनाल्डो को मिले सीमित मौकों का भी फायदा नहीं मिल सका। मैच के अंतिम मिनटों तक पुर्तगाल ने दबाव बनाए रखा, लेकिन विजयी गोल नहीं कर पाया। दूसरी ओर डीआर कांगो ने संगठित खेल दिखाते हुए एक महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। 1974 के बाद विश्व कप में वापसी कर रही कांगो की टीम के लिए यह परिणाम किसी जीत से कम नहीं माना जा रहा है।

फीफा विश्व कप की रोचक बातें

- **सबसे सफल टीम ब्राजील:** ब्राजील ने रिकॉर्ड 5 बार फीफा विश्व कप का खिताब जीता है।
- **कुत्ते ने खोजी थी चोरी हुई ट्रॉफी:** 1966 में चोरी हुई विश्व कप ट्रॉफी को 'पिकल्स' नाम के कुत्ते ने खोज निकाला था।
- **सबसे तेज गोल का रिकॉर्ड:** तुर्किये के हाकन शुकुर ने 2002 विश्व कप में सिर्फ 11 सेकंड में गोल किया था।
- **रोनाल्डो का अनोखा रिकॉर्ड:** क्रिस्टियानो रोनाल्डो पांच अलग-अलग विश्व कप में गोल करने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी हैं।
- **हर विश्व कप खेलने वाली एकमात्र टीम:** ब्राजील 1930 से अब तक खेले गए हर विश्व कप में हिस्सा लेने वाली एकमात्र टीम है।
- **लगातार दो विश्व कप जीतने वाली टीमें:** सिर्फ इटली (1934, 1938) और ब्राजील (1958, 1962) ने लगातार दो विश्व कप जीते हैं।
- **सबसे ज्यादा दर्शकों वाला मैच:** 1950 विश्व कप फाइनल में रियो डी जनेरियो के माराकाना स्टेडियम में 1.73 लाख से अधिक दर्शक मौजूद थे।
- **विश्व कप का सबसे विवादित मुकाबला:** 2006 में पुर्तगाल और नीदरलैंड के मैच में रिकॉर्ड 16 पीले और 4 लाल कार्ड दिखाए गए थे।
- **युद्ध के दौरान जूते के डिब्बे में छिपी ट्रॉफी:** द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान विश्व कप ट्रॉफी को चोरी से बचाने के लिए एक अधिकारी ने उसे जूते के डिब्बे में बिस्तर के नीचे छिपा दिया था।

चारों मैचों के टॉप गोलस्कोरर

इंग्लैंड 4-2 क्रोएशिया
हैरी केन - 2 गोल

पुर्तगाल 1-1 डीआर कांगो
जोआओ नेवेस - 1 गोल
योन विसा - 1 गोल

घाना 1-0 पनामा
कालेब यिरेंकी - 1 गोल

कोलंबिया 3-1 उज्बेकिस्तान
लुइस डियाज - 1 गोल
डैनियल मुनोज - 1 गोल
जामिंटन कैम्पाज - 1 गोल
दिन के सबसे सफल स्कोरर
हैरी केन (इंग्लैंड) - 2 गोल

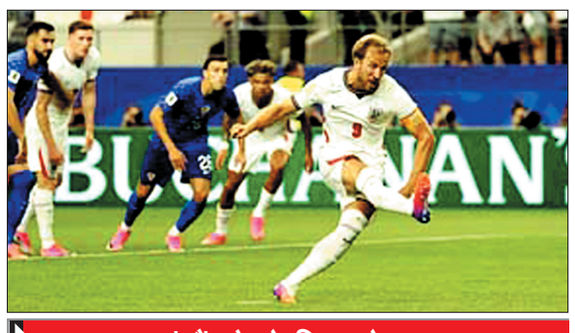

इंग्लैंड ने क्रोएशिया को हराया

इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप-एल मुकाबले में क्रोएशिया को 4-2 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की. मैच में हैरी केन ने दो गोल दागकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई. इंग्लैंड को शुरुआती बढ़त 12वें मिनट में मिली जब हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदला. हालांकि क्रोएशिया ने 36वें मिनट में मार्टिन बटुरिना के शानदार गोल से बराबरी कर ली. इसके बाद केन ने डेक्लान राइस के कॉर्नर पर हेडर लगाकर इंग्लैंड को फिर बढ़त दिला दी. पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में पेटार मूसा ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया.

घाना ने पनामा को हराया

घाना ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने पहले मुकाबले में पनामा को 1-0 से हराकर शानदार शुरुआत की. मुकाबला बेहद संघर्षपूर्ण रहा और दोनों टीमों को गोल करने के बहुत कम अवसर मिले. मैच के अधिकांश समय तक दोनों टीमों की रक्षापंक्ति हावी रही. पनामा ने भी कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन उन्हें गोल में नहीं बदल सका. दूसरी ओर घाना लगातार धैर्य के साथ मौके तलाशता रहा. जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम के पांचवें मिनट में घाना को निर्णायक सफलता मिली.

कोलंबिया ने उज्बेकिस्तान को हराया

कोलंबिया ने फीफा विश्व कप 2026 में अपने पहले मुकाबले में उज्बेकिस्तान को 3-1 से हराकर विजयी शुरुआत की. हालांकि स्कोरलाइन जितनी आसान दिखती है, मुकाबला उतना ही कड़ा रहा. कोलंबिया ने शुरुआत से आक्रामक खेल दिखाया और 40वें मिनट में डैनियल मुनोज के गोल से बढ़त बना ली. लुइस डियाज के शानदार पास पर मुनोज ने सटीक फिनिश किया. पहले हाफ में कोलंबिया ने कई और मौके बनाए, लेकिन बढ़त नहीं बढ़ा सका. दूसरे हाफ में उज्बेकिस्तान ने वापसी की और 60वें मिनट में अब्बोस्बेक फैजुल्लाएव ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया.

मीनाक्षी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

गुइयांग, 18 जून. चीन में चल रहे बॉक्सिंग वर्ल्ड कप (स्टेज 2) के चौथे दिन भारतीय बॉक्सर मीनाक्षी ने जीत हासिल की और अपनी वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई.

महिलाओं की 51किग्रा कैटेगरी में खेलते हुए, मीनाक्षी - जो 48किग्रा में मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन और उस डिवीज़न में वर्ल्ड नंबर 1 हैं और अब ओलंपिक 51किग्रा वेट क्लास में खेल रही हैं - ने पोलैंड की नतालिया कुचेव्स्का के खिलाफ 5-0 से एकतरफा जीत दर्ज की और प्रतियोगिता में आगे बढ़ीं.

चौथे दिन के एक अन्य मुकाबले में, अविनाश जमवाल (65किग्रा) किर्गिस्तान के मिर्ज़ोखिद इमामनाज़ारोव से 0-5 से हारकर बाहर हो गए.

टूर्नामेंट में अब तक पांच भारतीय बॉक्सर क्वार्टर फाइनल में पहुंच चुके हैं: निखिल (55), दीपक (70), मीनाक्षी (51), प्राची (57) और सनेह (65).

वहीं, ज्योति (48) और जुगनू (85) सेमीफाइनल में पहुंचकर देश के लिए मेडल पक्का कर चुके हैं.

पुरुष टीम ने जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप खिताब जीता

रियो डी जनेरियो, 18 जून. अमेरिका की महिला तथा कनाडा की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप का टीम खिताब जीता. बुधवार को हुए मुकाबले में अमेरिका की महिला टीम 161.628 स्कोर के साथ शीर्ष पर रही.

ब्राजील (157.596) दूसरे और कनाडा (156.997) तीसरे स्थान पर रहा. अर्जेंटीना (154.397) और मेक्सिको (151.096) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे. इन सभी पांच देशों ने नीदरलैंड के रॉटरडैम में अक्टूबर में होने वाली वर्ल्ड जिम्नास्टिक्स चैंपियनशिप के लिए जगह पक्की कर ली. व्यक्तिगत तौर पर, चार्ली बुलॉक सबसे आगे रहीं और रिवेरा की गैर-मौजूदगी में 'ऑल-अराउंड' क्वालिफिकेशन स्टैंडिंग में टॉप पर रहीं. उन्होंने कुल 54.165 अंक हासिल किए. पुरुषों के वर्ग में, कनाडा ने 243.026 के फाइनल स्कोर के साथ टीम खिताब अपने नाम किया.

रॉबर्टा मोरेटी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

ब्रासीलिया. ब्राजील की महिला टीम के लिए सबसे अधिक 68 टी-20 मैच खेलने वाली पूर्व कप्तान रॉबर्टा मोरेटी ने गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो में मोरेटी ने कहा, 'यह एक लंबा सफर रहा है. हमने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन अब मुझे लगता है कि सही समय आ गया है.

ऑस्ट्रेलिया ने बंगलादेश को नौ विकेट से हराया

लीड्स 18 जून. एलिस पेरी (दो विकेट/ नाबाद 19) जॉर्जिया वॉल (नाबाद 45) रन के शानदान प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी-20 विश्वकप के नौवें मुकाबले में बांग्लादेश को 63 गेंदें शेष रहते नौ विकेट से हराया। ऑस्ट्रेलिया ने बुधवार रात टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश की टीम ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 77 रन ही बना सकी। बंगलादेश के लिए कप्तान निगार सुलतान ने सर्वाधिक (27) रन बनाये। ऋतु मोनी (16) रन बनाकर आउट हुई। बंगलादेश के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

9.3 ओवर में ऑस्ट्रेलियाई टीम जीती

बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम 9.3 ओवरों में एक विकेट पर 78 रन बनाकर मुकबाला नौ विकेट से अपने नाम कर लिया. जॉर्जिया वॉल ने 32 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 45 रनों की पारी खेली. बेथ मूनी (10) रन बनाकर आउट हुई. एलिस पेरी ने 15 गेंदों में दो चौकों की मदद से (नाबाद19) रन बनाये. उन्हें शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' पुरस्कार से नवाजा गया.

कतर के खिलाफ मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे : जेसी मार्श

टोरंटो 18 जून. हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर चुके कनाडा के कप्तान अल्फोंसो डेविस गुरुवार को कतर के खिलाफ मैच में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे.

कनाडा फुटबॉल टीम के मुख्य कोच जेसी मार्श ने बुधवार को यह जानकारी दी. हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के दौरान अल्फोंसो डेविस अपनी टीम के विश्व कप के पहले मैच में नहीं खेल पाए थे. पिछले महीने चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में बायर्न म्यूनिख के लिए खेलते समय लेफ्ट बैक डेविस चोटिल हो गए थे. इस सप्ताह की शुरुआत में एक खुले अभ्यास सत्र में, डेविस सीमित अभ्यास में ही शामिल हुए और अभी भी वापसी के प्रोटोकॉल का पालन कर रहे थे.

50 खिलाड़ियों की कनिष्ठ सहायक के पद पर करेगी नियुक्ति

जयपुर. राजस्थान सरकार राष्ट्रीय चैपियनशिप और पैरा राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले 50 खिलाड़ियों की कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति करेगी. आधिकारिक सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और पैरा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले 50 खिलाड़ियों को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति दिये जाने एवं इन्हें माध्यमिक शिक्षा विभाग आवंटित किये जाने की मंजूरी दे दी है.

आज होगा नीरज के भाग्य का फैसला

दोहा, 18 जून. इस वर्ष के डायमंड लीग एथलेटिक्स सीज़न का सातवां चरण शुक्रवार 19 जून को दोहा, कतर में एक री-शेड्यूल की गई मीट के साथ शुरू होगा.

दोहा में भारत के टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, डोमिनिकन रिपब्लिक की पेरिस 2024 की 400 मीटर गोल्ड मेडलिस्ट मारिलेडी पॉलिनो, और डोमिनिका की पहली ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट थिया लाफोंड जैसे कई खिलाड़ी हिस्सा लेंगे.

पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स (बाधा दौड़) के मौजूदा वर्ल्ड और डायमंड लीग चैंपियन, अमेरिका के कॉर्डेल टिंच भी इसमें शामिल होंगे. पीठ की चोट से पूरी तरह उबरने के बाद भारत के 'गोल्डन बॉय' नीरज चोपड़ा 19 जून को दोहा डायमंड लीग से मैदान पर अपना पहला थ्रो फेंककर धमाकेदार वापसी करने की कोशिश करेंगे. यह नीरज चोपड़ा के फैंस के लिए एक बड़ी और अच्छी खबर है. चोट के बाद पूरी तरह फिट होकर नीरज चोपड़ा मैदान पर वापसी करने के लिए तैयार हैं.

प्रदर्शन आईपीएल में बेंच पर बैठा तेज़ गेंदबाज़

मेरे लिए परिणाम नहीं, तैयारी मायने रखती है : गुरनूर

लखनऊ, 18 जून. आईपीएल में बेंच पर बैठा तेज़ गेंदबाज़, जिसने शिकायत नहीं की. उसने कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, आशीष नेहरा और इशांत शर्मा को देखकर सीखा, तैयारी पर भरोसा रखा और जब भारत के लिए मौक़ा मिला तो सिर्फ़ स्पीड नहीं, बल्कि सोच, प्लानिंग और निरंतर सुधार की भूख से अपनी पहचान बनाई.

गुरनूर बराड़ की सबसे बड़ी ताकत उनकी 140 किमी/घंटा की रफ़्तार नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि 'परिणाम नहीं, तैयारी मायने रखती है' और 'मैं अच्छा कर सकता हूं.' अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ लगातार दूसरे वनडे में गुरनूर ने तीन विकेट हासिल किए हैं. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे में उन्होंने अपनी गति और लेंथ से काफ़ी प्रभावित किया. ख़ास तौर से उनके बाउंसर और यॉर्कर काफ़ी तीखे थे जिनका जवाब अफ़ग़ानिस्तान के बल्लेबाज़ों के पास नहीं था. गुरनूर ने अपनी लंबाई का पूरा लाभ लेते हुए लगातार शॉर्ट गेंदों से बल्लेबाज़ों को बैकफ़ुट पर धकेला.

मैच के बाद पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ़्रेंस में गुरनूर ने साफ़ कहा कि वह अपनी गति या लोगों की उम्मीदों के बारे में ज़्यादा नहीं सोचते. उन्होंने कहा, 'मुझे खुद पर पूरा भरोसा है और मेरा सारा ध्यान बस इस बात पर रहता है कि अपनी तरफ़ से तेज़ हार्ड लेंथ गेंदें डालूं. इसके बाद नतीजा जो भी हो, मुझे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता. मेरी तैयारी मेरे लिए सबसे ज़रूरी है, और यह देखना कि मैं रोज़ाना उस चीज़ को दोहरा पा रहा हूं या नहीं. मैं अभी और बेहतर करना चाहता हूं.

भवानी देवी भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगी

नयी दिल्ली. ओलंपियन भवानी देवी एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगी. यह चैंपियनशिप 19 से 24 जून तक नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित होगी. इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में एशिया और ओसनिया के 34 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे. भारत पहली बार इस इवेंट की मेज़बानी कर रहा है. एशियन फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 की लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलीकास्ट भारत में देखा जा सकेगा. यह एशियन चैंपियनशिप, एशियन गेम्स 2026 (जो इस साल के आखिर में जापान में होने वाले हैं) के लिए सीधे क्वालिफिकेशन इवेंट के तौर पर भी काम करेगी.

मनप्रीत सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले बने खिलाड़ी

नयी दिल्ली, 18 जून. मिडफील्डर मनप्रीत सिंह भारत के लिए सबसे ज़्यादा मैच खेलने वाले पुरुष हॉकी खिलाड़ी बन गए। उन्होंने रोटर्डम में जर्मनी के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग 2025-26 मैच के दौरान अपना 413वां इंटरनेशनल मैच खेला।

33 वर्षीय मनप्रीत ने भारत के पूर्व कप्तान और हॉकी इंडिया के मौजूदा अध्यक्ष दिलीप टिर्की को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने अपने करियर में नेशनल टीम के लिए 412 मैच खेले थे। मनप्रीत का 413वां मैच उन्हें पुरुषों के इंटरनेशनल हॉकी मैचों की ऑल-टाइम लिस्ट में पांचवें स्थान पर ले आया.

बेल्जियम के जॉन-जॉन डोहमेन 481 मैचों के साथ लिस्ट में सबसे आगे हैं, उनके बाद नीदरलैंड के ट्यून डी नूइजर (453), ऑस्ट्रेलिया के एडी ओकेंडेन (451) और ग्रेट ब्रिटेन के बैरी मिडलटन (432) हैं. यह भारतीय मिडफील्डर अभी एकमात्र ऐसे एक्टिव पुरुष इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं जिन्होंने 400 से ज़्यादा मैच खेले हैं. 2011 में सीनियर डेब्यू करने के बाद से, मनप्रीत सिंह इंटरनेशनल मंच पर भारत की वापसी में अहम भूमिका निभाते रहे हैं. उन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में टीम की कप्तानी करते हुए ब्रॉन्ज़ मेडल जिताया और वे उस टीम का भी हिस्सा थे जिसने पेरिस 2024 ओलंपिक में ब्रॉन्ज़ मेडल जीता था.